राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 13 श्रक्तूबर, 1983

कमांक 1223-ज (II)-83/31825.—श्री टीकू राम, पुत्र श्री काहना राम, गांव सिरोही वहाली, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 6 फरवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मिधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपताया गया है श्रीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए श्री टीकू राम को मुब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जी उसे हरियाणा सरकार की श्रधिसूचना त्रमांक 255-ज-(I)-76/5875, दिमांक 25 फरवरी, 1976 हारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती मान कौर के नाम खरीफ़, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के श्रव्तगत प्रदान करते हैं।

दिनांक 17 अक्तूंबर, 1983

क्यांक 1103-ज(I)-83/32273.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुष्तकार श्रिष्ठित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्यं में अपनामा गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सोहन सिंह, पुत्र श्री सरदार सिंह, गांव मन्डोर, तहसील जंगाधरी, जिला अध्वाला, को रवी, 1974 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहषं प्रदान करते हैं।

दिनांक 18 म्रक्तूबर, 1983

कमांक 1136-ज(I)-83/32327.—श्री बनारसी दास, पुत्र श्री पोखर राम, निवासी 659/45-A, जलवेड़ा रोड़, श्रम्बाला शहर, जिला सम्बाला, की दिनांक 3 सितम्बर, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्यरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बनारसी दास को मुब्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 10044 - जे.एन. III-66/16762, दिनांक 18 जुलाई, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-I-79/4404, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 हारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मनोहरी देवी, के नाम रबी 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शती के प्रन्तांत प्रदान करते हैं।

दिनांक 19 ग्रक्तूबर, 1983

क्षमांस 1164-ज (I)-83/32502 --पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपताया गया है पीर उसमें प्राज्ञ तक संशोधन किया-गया है) की घारा 2(ए)(1) तथा 3 (1) के प्रमुक्तार सों। गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्ययाल श्री बीर सिंह, पुत्र श्री ध्यान सिंह, गांव नाहरा, तहसील श्रम्बाला, जिला श्रम्बाला, को एबी, 1973 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक स्था रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सबस में दी गई शर्तों के भनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1135 ज(I)-83/32506 --श्री गुरमुख सिंह, पुत्र श्री घसीटा सिंह, गांव गद्योला, तहसील जगाघरी, खिला श्रश्चाला, की दिनांक 21 सितम्बर, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार प्रधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उस में भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गुरमुख सिंह को मुन्तिग 150 रुपये वाधिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रिधसूचना क्रमांक 889-ज-I-79/25 643, दिनांक 14 जूनं, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, भव उसकी विश्ववा श्रीमती सुरेन्द्र कीर को नाम रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गयी शतीं के भ्रन्तर्गत प्रदान हरते हैं।

टी० झार० तुली, झवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्य विभाग ।